Mrk

Chapter 3

Hindi Interlinear

Reference: Hindi Easy-to-Read Version

1

Καὶ	εἰσῆλθεν	πάλιν	εἰς	[τὴν]	συναγωγήν,	καὶ	ἦν	ἐκεῖ	ἄνθρωπος,
और	प्रवेश-किया	फिर	में	आराधनालय	के	और	था	वहाँ	मनुष्य
G2532	G1525	G3825	G1519	G3588	G4864	G2532	G1510	G1563	G0444

ἐξηραμμένην	ἔχων	τὴν	χεῖρα,
हाथ	सूखा	रखने-वाला	—
G3583	G2192	G3588	G5495

> एक बार फिर यीशु यहूदी आराधनालय में गया। वहाँ एक व्यक्ति था जिसका एक हाथ सूख चुका था।

2

καὶ	παρετήρουν	αὐτὸν,	εἰ	τοῖς	σάββασιν	θεραπεύσει	αὐτόν,	ἵνα
और	घात-लगाकर-देखते-थे	उसे	यदि	में	सब्त-के-दिनों	के	चंगा-करेगा	उसे
G2532	G3906	G0846	G1487	G3588	G4521	G2323	G0846	G2443

κατηγορήσωσιν	αὐτοῦ.
ताकि	दोष-लगाएँ
G2723	G0846

> कुछ लोग घात लगाये थे कि वह उसे ठीक करता है कि नहीं, ताकि उन्हें उस पर दोष लगाने का कोई कारण मिल जाये।

3

καὶ	λέγει	τῷ	ἀνθρώπῳ	τῷ	τὴν	«χεῖρα	ἔχοντι»	ξηράν,	Ἔγειρε	εἰς
और	कहता-है	को	मनुष्य	हाथ	सूखा	रखने-वाले	को	उठ	बीच-में	—
G2532	G3004	G3588	G0444	G3588	G3588	G5495	G2192	G3584	G1453	G1519

τὸ	μέσον.
—	—
G3588	G3319

> यीशु ने सूखे हाथ वाले व्यक्ति से कहा, “लोगों के सामने खड़ा हो जा।”

4

καὶ	λέγει	αὐτοῖς,	Ἔξεστιν	τοῖς	σάββασιν	ἀγαθὸν¦ποιῆσαι,	ἢ	κακοποιῆσαι?
और	कहता-है	उनसे	वैध	है	में	सब्त-के-दिनों	के	भलाई-करना
G2532	G3004	G0846	G1832	G3588	G4521	G0015	G2228	G2554

ψυχὴν	σῶσαι,	ἢ	ἀποκτεῖναι?	οἱ	δὲ	ἐσιώπων.
या	बुराई-करना	प्राण	बचाना	या	मारना	के-तो
G5590	G4982	G2228	G0615	G3588	G1161	G4623

> और लोगों से पूछा, “सब्त के दिन किसी का भला करना उचित है या किसी को हानि पहुँचाना? किसी का जीवन बचाना ठीक है या किसी को मारना?” किन्तु वे सब चुप रहे।

5

καὶ	περιβλεψάμενος	αὐτοὺς	μετ’	ὀργῆς,	συλλυπούμενος	ἐπὶ	τῇ	πωρώσει
और	चारों-ओर	देखकर	उनको	साथ	क्रोध-से	दुखी	दिलों	की
G2532	G4017	G0846	G3326	G3709	G4818	G1909	G3588	G4457

τῆς	καρδίας	αὐτῶν,	λέγει	τῷ	ἀνθρώπῳ,	Ἔκτεινον	τὴν	χεῖρα	(σου).	καὶ
कठोरता-पर	कहता-है	को	मनुष्य	बढ़ा	हाथ	अपना	को	—	—	—
G3588	G2588	G0846	G3004	G3588	G0444	G1614	G3588	G5495	G4771	G2532

ἐξέτεινεν,	καὶ	ἀπεκατεστάθη	ἡ	χεὶρ	αὐτοῦ.
—	—	—	—	—	—
G1614	G2532	G0600	G3588	G5495	G0846

> फिर यीशु ने क्रोध में भर कर चारों ओर देखा और उनके मन की कठोरता से वह बहुत दुखी हुआ। फिर उसने उस मनुष्य से कहा, “अपना हाथ आगे बढ़ा।” उसने हाथ बढ़ाया, उसका हाथ पहले जैसा ठीक हो गया।

6

καὶ	ἐξελθόντες,	οἱ	Φαρισαῖοι	εὐθὺς	μετὰ	τῶν	Ἡρῳδιανῶν	συμβούλιον
और	निकलकर	के	फ़रीसी	तुरन्त	साथ	के	हेरोदियों	के
G2532	G1831	G3588	G5330	G2112	G3326	G3588	G2265	G4824

ἐδίδουν	κατ’	αὐτοῦ,	ὅπως	αὐτὸν	ἀπολέσωσιν.
उसके-विरुद्ध	मंत्रणा-करते-थे	ताकि	उसे	नाश-करें	—
G1325	G2596	G0846	G3704	G0846	G0622

> तब फ़रीसी वहाँ से चले गये और हेरोदियों के साथ मिल कर यीशु के विरुद्ध षड़यन्त्र रचने लगे कि वे उसकी हत्या कैसे कर सकते हैं।

7

Καὶ	ὁ	Ἰησοῦς,	μετὰ	τῶν	μαθητῶν	αὐτοῦ,	ἀνεχώρησεν	πρὸς	τὴν
और	के	यीशु	साथ	के	चेलों	अपने	चला-गया	ओर	झील
G2532	G3588	G2424	G3326	G3588	G3101	G0846	G0402	G4314	G3588

θάλασσαν;	καὶ	πολὺ	πλῆθος	ἀπὸ	τῆς	Γαλιλαίας	ἠκολούθησεν,	καὶ	ἀπὸ	τῆς
की	और	बहुत	भीड़	से	गलील	हो-लिया	पीछे	उसके	—	—
G2281	G2532	G4183	G4128	G0575	G3588	G1056	G0190	G2532	G0575	G3588

Ἰουδαίας,
—
G2449

> यीशु अपने शिष्यों के साथ झील गलील पर चला गया। उसके पीछे एक बहुत बड़ी भीड़ भी हो ली जिसमें गलील,

8

καὶ	ἀπὸ	Ἱεροσολύμων,	καὶ	ἀπὸ	τῆς	Ἰδουμαίας,	καὶ	πέραν	τοῦ
और	से	यरूशलेम	और	से	इदूमिया	और	पार-से	यर्दन	के
G2532	G0575	G2414	G2532	G0575	G3588	G2401	G2532	G4008	G3588

Ἰορδάνου,	καὶ	περὶ	Τύρον	καὶ	Σιδῶνα.	πλῆθος	πολύ,	ἀκούοντες	ὅσα
और	के-आस-पास	सूर	और	सीदोन	के	बहुत	भीड़	—	—
G2446	G2532	G4012	G5184	G2532	G4605	G4128	G4183	G0191	G3745

ἐποίει,	ἦλθον	πρὸς	αὐτόν.
—	—	—	—
G4160	G2064	G4314	G0846

> यहूदिया, यरूशलेम, इदूमिया और यर्दन नदी के पार के तथा सूर और सैदा के लोग भी थे। लोगों की यह भीड़ उन कामों के बारे में सुनकर उसके पास आयी थी जिन्हें वह करता था।

9

καὶ	εἶπεν	τοῖς	μαθηταῖς	αὐτοῦ,	ἵνα	πλοιάριον	προσκαρτερῇ	αὐτῷ,	διὰ
और	कहा	को	चेलों	अपने	ताकि	नाव	तैयार-रहे	उसके-लिये	के-कारण
G2532	G3004	G3588	G3101	G0846	G2443	G4142	G4342	G0846	G1223

τὸν	ὄχλον,	ἵνα	μὴ	θλίβωσιν	αὐτόν.
भीड़	की	ताकि	न-दबाएँ	उसे	—
G3588	G3793	G2443	G3361	G2346	G0846

> भीड़ के कारण उसने अपने शिष्यों से कहा कि वे उसके लिये एक छोटी नाव तैयार रखें ताकि भीड़ उसे दबा न ले।

10

πολλοὺς	γὰρ	ἐθεράπευσεν,	ὥστε	ἐπιπίπτειν	αὐτῷ,	ἵνα	αὐτοῦ	ἅψωνται,
बहुतों-को	तो-क्योंकि	चंगा-किया	ऐसे-कि	गिरते-थे	उसपर	ताकि	छूएँ	उसे
G4183	G1063	G2323	G5620	G1968	G0846	G2443	G0846	G0680

ὅσοι	εἶχον	μάστιγας;
जितने-भी	थे	कोड़े
G3745	G2192	G3148

> यीशु ने बहुत से लोगों को चंगा किया था इसलिये बहुत से वे लोग जो रोगी थे, उसे छूने के लिये भीड़ में ढकेलते रास्ता बनाते उमड़े चले आ रहे थे।

11	καὶ	τὰ	πνεύματα	τὰ	ἀκάθαρτα,	ὅταν	αὐτὸν	ἐθεώρουν,	προσέπιπτον	αὐτῷ,
	और	के	आत्माएँ	अशुद्ध	जब	उसे	देखती-थीं	गिरती-थीं	उसके-सामने	और
	G2532	G3588	G4151	G3588	G0169	G3752	G0846	G2334	G4363	G0846

καὶ	ἔκραζον,	λέγοντα,	ὅτι	Σὺ	εἶ	ὁ	Υἱὸς	τοῦ	Θεοῦ.
चिल्लाती-थीं	कहती-हुईं	कि	तू	है	के	पुत्र	परमेश्वर	—	—
G2532	G2896	G3004	G3754	G4771	G1510	G3588	G5207	G3588	G2316

> जब कभी दुष्टात्माएँ यीशु को देखतीं वे उसके सामने नीचे गिर पड़तीं और चिल्ला कर कहतीं “तू परमेश्वर का पुत्र है!”

12	καὶ	πολλὰ	ἐπετίμα	αὐτοῖς,	ἵνα	μὴ	αὐτὸν	φανερὸν	ποιήσωσιν.
	और	बहुत	डाँटता-था	उन्हें	ताकि	प्रकट	न-करें	उसे	—
	G2532	G4183	G2008	G0846	G2443	G3361	G0846	G5318	G4160

> किन्तु वह उन्हें चेतावनी देता कि वे सावधान रहें और इसका प्रचार न करें।

13	Καὶ	ἀναβαίνει	εἰς	τὸ	ὄρος,	καὶ	προσκαλεῖται	οὓς	ἤθελεν	αὐτός;	καὶ
	और	चढ़ता-है	पर	पहाड़	के	और	बुलाता-है	जिन्हें	चाहता-था	वह-खुद	और
	G2532	G0305	G1519	G3588	G3735	G2532	G4341	G3739	G2309	G0846	G2532

ἀπῆλθον	πρὸς	αὐτόν.
गए	उसके-पास	—
G0565	G4314	G0846

> फिर यीशु एक पहाड़ पर चला गया और उसने जिनको वह चाहता था, अपने पास बुलाया। वे उसके पास आये।

14	καὶ	ἐποίησεν	δώδεκα	[οὓς,	καὶ	ἀποστόλους	ὠνόμασεν],	ἵνα	ὦσιν	μετ’
	और	बनाया	बारह	को	ताकि	हों	साथ	उसके	और	ताकि
	G2532	G4160	G1427	G3739	G2532	G0652	G3687	G2443	G1510	G3326

αὐτοῦ,	καὶ	ἵνα	ἀποστέλλῃ	αὐτοὺς	κηρύσσειν,
भेजे	उन्हें	प्रचार-करने	—	—	—
G0846	G2532	G2443	G0649	G0846	G2784

> जिनमें से उसने बारह को चुना और उन्हें प्रेरित की पदवी दी। उसने उन्हें चुना ताकि वे उसके साथ रहें और वह उन्हें उपदेश प्रचार के लिये भेजे।

15	καὶ	ἔχειν	ἐξουσίαν	ἐκβάλλειν	τὰ	δαιμόνια.
	और	रखने	अधिकार	निकालने	के	दुष्टात्माओं
	G2532	G2192	G1849	G1544	G3588	G1140

> और वे दुष्टात्माओं को खदेड़ बाहर निकालने का अधिकार रखें।

16	καὶ	ἐποίησεν	τοὺς	δώδεκα;	καὶ	ἐπέθηκεν	ὄνομα	τῷ	Σίμωνι:	Πέτρον;
	और	बनाया	को	बारह	और	रखा	नाम	शिमोन-को	पतरस	—
	G2532	G4160	G3588	G1427	G2532	G2007	G3686	G3588	G4613	G4074

> इस प्रकार उसने बारह पुरुषों की नियुक्ति की। ये थे: शमौन (जिसे उसने पतरस नाम दिया),

17	καὶ	Ἰάκωβον	τὸν	τοῦ	Ζεβεδαίου,	καὶ	Ἰωάννην	τὸν	ἀδελφὸν	τοῦ
	और	याकूब	को	जबदी-के	और	यूहन्ना	को	भाई	याकूब-के	और
	G2532	G2385	G3588	G3588	G2199	G2532	G2491	G3588	G0080	G3588

Ἰακώβου;	καὶ	ἐπέθηκεν	αὐτοῖς	ὀνόματα	Βοανηργές,	ὅ	ἐστιν,	Υἱοὶ	Βροντῆς;
रखा	नाम	उन्हें	बोनेरगेस	जो-है	पुत्र	गरजन-के	—	—	—
G2385	G2532	G2007	G0846	G3686	G0993	G3739	G1510	G5207	G1027

> जब्दी का पुत्र याकूब और याकूब का भाई यूहन्ना (जिनका नाम उसने बूअनर्गिस रखा, जिसका अर्थ है “गर्जन का पुत्र”),

18	καὶ	Ἀνδρέαν,	καὶ	Φίλιππον,	καὶ	Βαρθολομαῖον,	καὶ	Μαθθαῖον,	καὶ	Θωμᾶν,
	और	अन्द्रियास	और	फिलिप्पुस	और	बरतलमाई	और	मत्ताई	और	थोमा
	G2532	G0406	G2532	G5376	G2532	G0918	G2532	G3156	G2532	G2381

καὶ	Ἰάκωβον	τὸν	τοῦ	Ἁλφαίου,	καὶ	Θαδδαῖον,	καὶ	Σίμωνα	τὸν
और	याकूब	के	हलफायियूस	और	थद्दाई	कनानी	के	और	शिमोन
G2532	G2385	G3588	G3588	G0256	G2532	G2280	G2532	G4613	G3588

Καναναῖον,
कनानी
G2581

> अंद्रियास, फिलिप्पुस, बरतुलमै, मत्ती, थोमा, हलफई का पुत्र याकूब, तद्दी और शमौन जिलौती या कनानी

19	καὶ	Ἰούδαν	Ἰσκαριώθ,	ὃς	καὶ	παρέδωκεν	αὐτόν.
	और	यहूदा	इस्करियोती	जिसने	भी	पकड़वाया	उसे
	G2532	G2455	G2469	G3739	G2532	G3860	G0846

> तथा यहूदा इस्करियोती (जिसने आगे चल कर यीशु को धोखे से पकड़वाया था)।

20	Καὶ	ἔρχεται	εἰς	οἶκον,	καὶ	συνέρχεται	πάλιν	ὁ	ὄχλος,	ὥστε	μὴ
	और	आता–है	में	घर	और	इकट्ठे–होती–है	फिर	भीड़	के	ऐसे–कि	नहीं
	G2532	G2064	G1519	G3624	G2532	G4905	G3825	G3588	G3793	G5620	G3361

δύνασθαι	αὐτοὺς	μηδὲ	ἄρτον	φαγεῖν.
सकते–थे	मूदे	रोटी	खाने	—
G1410	G0846	G3366	G0740	G5315

> तब वे सब घर चले गये। जहाँ एक बार फिर इतनी बड़ी भीड़ इकट्ठी हो गयी कि यीशु और उसके शिष्य खाना तक नहीं खा सके।

21	καὶ	ἀκούσαντες,	οἱ	παρ’	αὐτοῦ	ἐξῆλθον	κρατῆσαι	αὐτόν;	ἔλεγον	γὰρ,
	और	सुनकर	उसके	पास–से	जो	निकले	पकड़ने	उसे	कहते–थे	कि
	G2532	G0191	G3588	G3844	G0846	G1831	G2902	G0846	G3004	G1063

ὅτι	ἐξέστη.
पागल–हो–गया–है	—
G3754	G1839

> जब उसके परिवार के लोगों ने यह सुना तो वे उसे लेने चल दिये क्योंकि लोग कह रहे थे कि उसका चित्त ठिकाने नहीं है।

22	καὶ	οἱ	γραμματεῖς,	οἱ	ἀπὸ	Ἱεροσολύμων	καταβάντες,	ἔλεγον,	ὅτι
	और	के	शास्त्री	जो	से	यरूशलेम	उतरे	कहते–थे	कि
	G2532	G3588	G1122	G3588	G0575	G2414	G2597	G3004	G3754

Βεελζεβοὺλ	ἔχει;	καὶ	ὅτι	ἐν	τῷ	ἄρχοντι	τῶν	δαιμονίων	ἐκβάλλει
बलज़बूल	रखता–है	और	के–द्वारा	दुष्टात्माओं	के	अधीन	निकालता–है	दुष्टात्माओं	को
G0954	G2192	G2532	G3754	G1722	G3588	G0758	G3588	G1140	G1544

τὰ	δαιμόνια.
—	—
G3588	G1140

> यरूशलेम से आये धर्मशास्त्री कहते थे, “उसमें बालजेबुल यानी शैतान समाया है। वह दुष्टात्माओं के सरदार की शक्ति के कारण ही दुष्टात्माओं को बाहर निकालता है।”

23	καὶ	προσκαλεσάμενος	αὐτοὺς,	ἐν	παραβολαῖς	ἔλεγεν	αὐτοῖς,	Πῶς	δύναται
	और	बुलाकर	उनको	पास–में	कहता–था	उनसे	दृष्टान्तों–में	कैसे	सकता–है
	G2532	G4341	G0846	G1722	G3850	G3004	G0846	G4459	G1410

Σατανᾶς	Σατανᾶν	ἐκβάλλειν?
शैतान	शैतान–को	निकालना
G4567	G4567	G1544

> यीशु ने उन्हें अपने पास बुलाया और दृष्टान्तों का प्रयोग करते हुए उनसे कहने लगा, “शैतान, शैतान को कैसे निकाल सकता है?

24	καὶ	ἐὰν	βασιλεία	ἐφ’	ἑαυτὴν	μερισθῇ,	οὐ	δύναται	σταθῆναι	ἡ
	और	यदि	राज्य	अपने-आप-में	बँट-जाए	नहीं	सकता	खड़े-रहना	वह	राज्य
	G2532	G1437	G0932	G1909	G1438	G3307	G3756	G1410	G2476	G3588
	βασιλεία	ἐκείνη.								
	—	—								
	G0932	G1565								

> यदि किसी राज्य में अपने ही विरुद्ध फूट पड़ जाये तो वह राज्य स्थिर नहीं रह सकेगा।

25	καὶ	ἐὰν	οἰκία	ἐφ’	ἑαυτὴν	μερισθῇ,	οὐ	δυνήσεται	ἡ	οἰκία	ἐκείνη
	और	यदि	घर	अपने-आप-में	बँट-जाए	नहीं	सकता	खड़े-रहना	वह	घर	—
	G2532	G1437	G3614	G1909	G1438	G3307	G3756	G1410	G3588	G3614	G1565
	σταθῆναι.										
	—										
	G2476										

> और यदि किसी घर में अपने ही भीतर फूट पड़ जाये तो वह घर बच नहीं पायेगा।

26	καὶ	εἰ	ὁ	Σατανᾶς	ἀνέστη	ἐφ’	ἑαυτὸν	καὶ	ἐμερίσθη,	οὐ
	और	यदि	शैतान	अपने-आप-पर	उठा	बँट-गया-है	और	नहीं	सकता	खड़े-रहना
	G2532	G1487	G3588	G4567	G0450	G1909	G1438	G2532	G3307	G3756
	δύναται	στῆναι,	ἀλλὰ	τέλος	ἔχει.					
	परन्तु	अन्त	रखता-है	—	—					
	G1410	G2476	G0235	G5056	G2192					

> इसलिए यदि शैतान स्वयं अपना विरोध करता है और फूट डालता है तो वह बना नहीं रह सकेगा और उसका अंत हो जायेगा।

27	ἀλλ’	οὐ	δύναται	οὐδεὶς,	εἰς	τὴν	οἰκίαν	τοῦ	ἰσχυροῦ,	
	नहीं-तो	सकता-है	कोई-नहीं	में	घर	शक्तिशाली-के	के	प्रवेश-करके	उसकी	
	G0235	G3756	G1410	G3762	G1519	G3588	G3614	G3588	G2478	
	εἰσελθὼν,	τὰ	σκεύη	αὐτοῦ	διαρπάσαι,	ἐὰν	μὴ	πρῶτον	τὸν	ἰσχυρὸν
	सम्पत्ति	लूटना	यदि-नहीं	पहले	बाँधे	शक्तिशाली-को	और-तब	—	—	—
	G1525	G3588	G4632	G0846	G1283	G1437	G3361	G4412	G3588	G2478
	δήσῃ.	καὶ	τότε	τὴν	οἰκίαν	αὐτοῦ	διαρπάσει.			
	—	—	—	—	—	—	—			
	G1210	G2532	G5119	G3588	G3614	G0846	G1283			

> “किसी शक्तिशाली के मकान में घुसकर उसके माल-असवाब को लूट कर निश्चय ही कोई तब तक नहीं ले जा सकता जब तक सबसे पहले वह उस शक्तिशाली व्यक्ति को बाँध न दे। ऐसा करके ही वह उसके घर को लूट सकता है।

28	Ἀμὴν	λέγω	ὑμῖν,	ὅτι	πάντα	ἀφεθήσεται	τοῖς	υἱοῖς	τῶν	ἀνθρώπων,
	आमेन	कहता-हूँ	तुमसे	कि	क्षमा-किए-जाएँगे	सब	को	पुत्रों	मनुष्य	के
	G0281	G3004	G4771	G3754	G3956	G0863	G3588	G5207	G3588	G0444
	τὰ	ἁμαρτήματα	καὶ	αἱ	βλασφημίαι,	ὅσα	ἐὰν	βλασφημήσωσιν.		
	पाप	के	और	के	निन्दा	जितनी-भी	निन्दा-करें	—		
	G3588	G0265	G2532	G3588	G0988	G3745	G1437	G0987		

> “मैं तुमसे सत्य कहता हूँ, लोगों को हर बात की क्षमा मिल सकती है, उनके पाप और जो निन्दा बुरा भला कहना उन्होंने किये हैं, वे भी क्षमा किये जा सकते हैं।

29	ὃς	δ’	ἂν	βλασφημήσῃ	εἰς	τὸ	Πνεῦμα	τὸ	Ἅγιον,	οὐκ	ἔχει
	परन्तु	जो-कोई	निन्दा-करे	के-विरुद्ध	आत्मा	पवित्र	की	नहीं	रखता	क्षमा	में
	G3739	G1161	G0302	G0987	G1519	G3588	G4151	G3588	G0040	G3756	G2192

ἄφεσιν	εἰς	τὸν	αἰῶνα,	ἀλλὰ	ἔνοχός	ἐστιν	αἰωνίου	ἁμαρτήματος--
युग	के	परन्तु	दोषी	है	अनन्त	पाप	के	—
G0859	G1519	G3588	G0165	G0235	G1777	G1510	G0166	G0265

> किन्तु पवित्र आत्मा को जो कोई भी अपमानित करेगा, उसे क्षमा कभी नहीं मिलेगी। वह अनन्त पाप का भागी है।”

30	ὅτι	ἔλεγον,	Πνεῦμα	ἀκάθαρτον	ἔχει.
	क्योंकि	कहते-थे	आत्मा	अशुद्ध	रखता-है
	G3754	G3004	G4151	G0169	G2192

> यीशु ने यह इसलिये कहा था कि कुछ लोग कह रहे थे इसमें कोई दुष्ट आत्मा समाई है।

31	Καὶ	ἔρχονται	ἡ	μήτηρ	αὐτοῦ,	καὶ	οἱ	ἀδελφοὶ	αὐτοῦ,	καὶ	ἔξω
	और	आते-हैं	उसकी	माता	और	भाई	उसके	और	बाहर	खड़े-होकर	भेजते-हैं
	G2532	G2064	G3588	G3384	G0846	G2532	G3588	G0080	G0846	G2532	G1854

στήκοντες,	ἀπέστειλαν	πρὸς	αὐτὸν,	καλοῦντες	αὐτόν.
उसे-बुलाते-हुए	—	—	—	—	—
G4739	G0649	G4314	G0846	G2564	G0846

> तभी उसकी माँ और भाई वहाँ आये और बाहर खड़े हो कर उसे भीतर से बुलवाया।

32	καὶ	ἐκάθητο	περὶ	αὐτὸν	ὄχλος.	καὶ	λέγουσιν	αὐτῷ,	Ἰδοὺ,	ἡ	μήτηρ
	और	बैठी-थी	चारों-ओर	उसके	भीड़	और	कहते-हैं	उससे	देख	माता	तेरी
	G2532	G2521	G4012	G0846	G3793	G2532	G3004	G0846	G3708	G3588	G3384

σου,	καὶ	οἱ	ἀδελφοί	σου,	καὶ	αἱ	ἀδελφαί	σου,	ἔξω	ζητοῦσίν	σε.
और	भाई	तेरे	बाहर	ढूँढ़ते-हैं	तुझे	—	—	—	—	—	—
G4771	G2532	G3588	G0080	G4771	G2532	G3588	G0079	G4771	G1854	G2212	G4771

> यीशु के चारों ओर भीड़ बैठी थी। उन्होंने उससे कहा, “देख तेरी माता, तेरे भाई और तेरी बहनें तुझे बाहर बुला रहे हैं।”

33	καὶ	ἀποκριθεὶς	αὐτοῖς,	λέγει,	Τίς	ἐστιν	ἡ	μήτηρ	μου,	καὶ	οἱ
	और	उत्तर-देकर	कहता-है	उनसे	कौन	है	माता	मेरी	और	कौन	हैं
	G2532	G0611	G0846	G3004	G5101	G1510	G3588	G3384	G1473	G2532	G3588

ἀδελφοί	‹μου›?
भाई	मेरे
G0080	G1473

> यीशु नें उन्हें उत्तर दिया, “मेरी माँ और मेरे भाई कौन हैं?”

34	καὶ	περιβλεψάμενος	τοὺς	περὶ	αὐτὸν	κύκλῳ	καθημένους,	λέγει,	Ἴδε,
	और	चारों-ओर	देखकर	को	उसके-चारों-ओर	गोल-गोल	बैठे-हुए	कहता-है	देखो
	G2532	G4017	G3588	G4012	G0846	G2945	G2521	G3004	G3708

ἡ	μήτηρ	μου,	καὶ	οἱ	ἀδελφοί	μου!
माता	मेरी	और	भाई	मेरे	—	—
G3588	G3384	G1473	G2532	G3588	G0080	G1473

> उसे घेर कर चारों ओर बैठे लोगों पर उसने दृष्टि डाली और कहा, “ये है मेरी माँ और मेरे भाई!

35	ὃς	‹γὰρ›	ἂν	ποιήσῃ	τὸ	θέλημα	τοῦ	Θεοῦ,	οὗτος	ἀδελφός	μου,	καὶ
	जो–कोई	क्योंकि	करे	को	इच्छा	परमेश्वर	की	यही	मेरा	है	भाई	और
	G3739	G1063	G0302	G4160	G3588	G2307	G3588	G2316	G3778	G0080	G1473	G2532

ἀδελφὴ,	καὶ	μήτηρ	ἐστίν.
बहन	और	माता	और
G0079	G2532	G3384	G1510

> जो कोई परमेश्वर की इच्छा पर चलता है, वही मेरा भाई, बहन और माँ है।”